भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 45

जिसका उत्तर 20 जुलाई, 2026 को दिया जाना है

कोयला गैसीकरण और स्वच्छतर कोयला तकनीकें

45. **डा. अनिल सुखदेवराव बोंडेः**

श्रीमती सीमा द्विवेदीः

श्री बाबू राम निषादः

श्री चुन्नीलाल गरासियाः

श्री शंभू शरण पटेलः

श्री आदित्य प्रसादः

डा. कविता पाटीदारः

श्री मिथलेश कुमारः

श्री सुभाष बरालाः

श्री रामराव सखाराम वाडकुटेः

डा. के. लक्ष्मणः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2026 के दौरान बिहार राज्य सहित अन्य राज्यों में कोयला गैसीकरण और कोयले से जुड़ी अन्य स्वच्छतर तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए हैं;

(ख) अनुमोदित या कार्यान्वयनाधीन कोयला गैसीकरण परियोजनाओं की संख्या कितनी हैं और उनकी मौजूदा स्थिति क्या है;

(ग) क्या ऐसी परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने के लिए कोई वित्तीय प्रोत्साहन या 'व्यवहार्यता अंतराल वित्तपोषण' जैसे तंत्र शुरू किये गए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इन तकनीकों के माध्यम से कोयले के उपयोग की दक्षता में क्या सुधार होने, उत्सर्जन में कितनी कमी होने और घरेलू ऊर्जा सुरक्षा को कितना बढ़ावा मिलने की अपेक्षा है?

उत्तर

कोयला और खान राज्य मंत्री
(श्री सतीश चन्द्र दुबे)

(क) : जी, हां। कोयला गैसीकरण को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने दिनांक 13.05.2026 को ₹37,500 करोड़ के वित्तीय परिव्यय के साथ 'सतही कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने' के लिए एक और प्रमुख स्कीम को मंज़ूरी दी। यह नई स्कीम कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं की संस्थापना के लिए, निर्धारित सीमाओं के अधीन, पात्र संयंत्र और मशीनरी की लागत का 20% तक वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। ये प्रोत्साहन स्कीमें किसी राज्य-विशिष्ट तक सीमित नहीं हैं और परियोजना प्रस्तावक बिहार सहित देश में कहीं भी उपयुक्त स्थान चुन सकते हैं।

(ख) और (ग) : 8,500 करोड़ रुपये की वित्तीय प्रोत्साहन स्कीम के तहत, आठ (8) कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को मंज़ूरी दी गई है और ये क्रियान्वयन के अलग-अलग चरणों में हैं। इनमें तीन सरकारी क्षेत्र की परियोजनाएं, तीन निजी क्षेत्र की परियोजनाएं और दो छोटे-पैमाने वाली उत्पादन-आधारित परियोजनाएं शामिल हैं। कैपेक्स का 15% वित्तीय प्रोत्साहन मंज़ूर किया गया है। जिंदल स्टील लिमिटेड की एक परियोजना ने वित्तीय समापन हासिल कर लिया है और यह निर्माण के चरण में है, जबकि बाकी परियोजनाएं वित्तीय समापन, सांविधिक मंज़ूरी, प्रौद्योगिकी को अंतिम रूप देने, निविदा और परियोजना क्रियान्वयन करने के अलग-अलग चरणों में हैं।

(घ) : कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण से कोयले/लिग्नाइट को सिंथेसिस गैस (सिनगैस) में बदला जा सकता है, जिसका इस्तेमाल रसायन, उर्वरक, सिंथेटिक प्राकृतिक गैस, हाइड्रोजन और दूसरे मूल्य-वर्धित उत्पाद बनाने में किया जा सकता है। पांरपरिक रूप से कोयले के उपयोग की तुलना में, कोयला गैसीरकण बेहतर प्रक्रिया दक्षता को सक्षम करके, अंतिम उपयोग से पहले प्रदूषकों को आसानी से हटाने और कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) जैसी प्रौद्योगिकियों के साथ एकीकरण करके कोयले के स्वच्छ उपयोग की सुविधा प्रदान करता है। यह अपेक्षा है कि ये प्रौद्योगिकियां संसाधनों के इस्तेमाल को बेहतर बनाएंगी और कोयले पर आधारित औद्योगिक अनुप्रयोगों से होने वाले उत्सर्जन को कम करेंगी।

****